तृतीय अध्याय

शोध प्रविधि तथा प्रक्रिया

अध्याय – 3

शोध विधि तथा प्रक्रिया

3.1 भूमिका

शोध कार्य में शोध प्रविधि की भूमिका महत्तवपूर्ण होती है। अनुसंधान कार्य में सही दिशा में अग्रसर होने के लिए आवश्यक होता है कि शोध की एक व्यवस्थित रूप रेखा हो। इसमें प्रतिदर्श के चयन की अपनी भूमिका होती है। एक अच्छा तथा उपयोगी प्रतिदर्श संपूर्ण समष्टि का वास्तविक प्रतिनिधित्व करता है। प्रतिदर्श जितने अधिक सुदृढ होंगे परिणाम उतने ही परिशुद्ध, वैध, एंव विश्वसनीय होंगे। प्रस्तुत शोध कार्य हेतु सर्वेक्षण प्रणाली का प्रयोग किया गया है। तथा शोध प्रविधि के अंतर्गत प्रतिदर्श का चयन, शोध में प्रयुक्त चर, उपकरण का निर्माण, आँकड़ो के संकलन की प्रक्रिया, विश्लेषण हेतु उपयुक्त सांख्यिकीय प्रविधि को सम्मिलित किया गया है।

3.2 जनसंख्या

प्रस्तुत शोध कार्य में आर. आई. ई. भोपाल के प्रथम, द्वितीय, तृतीय और चतुर्थ वर्ष की छात्राएँ सम्मिलित हैं। जिनकी संख्या क्रमशः 57,59,35, और 81 है। सभी को सम्मिलित करने पर यह संख्या 222 हैं।

तालिका क्र. 3.1

छात्राओं की संख्या

वर्ष	संख्या
प्रथम	57
द्वितीय	59
तृतीय	35
चतुर्थ	81

3.4 न्यादर्श

किसी भी अनुसंधान कार्य में प्रतिदर्श का चुनाव एवं उसकी संरचना महत्तवपूर्ण होती है। प्रस्तुत शोधकार्य हेतु शोधकर्ता द्वारा प्रतिदर्श का चयन, सोद्देशीय न्यादर्श के अंतर्गत बी. एससी. बी. एड. में अध्ययनरत वे छात्राएँ हैं, जिनके सहोदर (भाई) 12 वीं की परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके हैं ऐसी छात्राओं की संख्या 70 है।

3.5 शोध में प्रयुक्त चर

सहोदरों की शैक्षिक स्थिति प्रस्तुत शोध में चर है।

3.6 उपकरण

प्रस्तुत शोधकार्य में शोध विषय से संबंधित जानकारी प्राप्त करने के लिए प्रश्नावली तैयार की गई। प्रस्तुत प्रश्नावली में सहोदरों की शैक्षिक स्थिति से संबंधित सामान्य जानकारी एंव 8 अन्य विधानों को सामिल किया गया है। यह विधान छात्राओं एवं अभिभावकों के बी. एससी. बी. एड़. पाठ्यक्रम के संबंध में विचारों को दर्शाता हैं। यह प्रश्नावली परिशिष्ट में संलग्न की गई है।

3.7 प्रदत्तो का संकंलन

प्रस्तुत अध्ययन हेतु आँकड़ों का संकलन करने के लिए निर्मित उपकरण की सहायता ली गई है। आँकड़ों के संकलन हेतु बी. एससी. बी. एड़. भौतिकी एवं जैविकी समूहों के प्रथम, द्वितीय, तृतीय और चतुर्थ वर्ष की कक्षाओं में गया एवं वहाँ पढ़ा रहे प्रोफेसरो से अनुमति लेकर छात्राओं को प्रश्नावली वितरित किए। निर्देश देने के पश्चात प्रश्नावली को लिखने के लिए कहा। तत्पश्चात प्रश्नावली को संकलित किया गया।

3.8 सांख्यिकीय विधियाँ

प्रस्तुत अध्ययन में प्रदत्तों के विश्लेषण हेतु प्रतिशत का उपयोग किया गया।